Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 28-11-2006

Participants : Yadav Shri Devendra Prasad

an>

Title: Need to declare Balirajgarh in Madhubani district of Bihar as a National Tourist Spot.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर): उपाध्यक्ष जी, बिहार राज्य में मधुबनी जिलान्तर्गत बाबूबरही प्रखंड में अवस्थित बलिराजगढ़ राज्य का एक ऐतिहासिक स्थल है। पौराणिक तौर पर ऐसी मान्यता है कि प्रहलाद के पौत्र एवं विरोचन के पुत्र महादानी राजा बलि का यह गढ़ रहा है। इसकी ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए वर्ा 1905 में सरकार द्वारा इसे अधिग्रहण कर लिया गया। वर्ा 1962-63 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा तथा वर्ा 1972-73 और वर्ा 1974-75 में पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय बिहार सरकार द्वारा इस पर उत्खनन कार्य भी कराया गया। उत्खनन में उत्तरी-कृण-मार्जित मृण्पात्रकाल (200 ई.पू.) से लेकर 10वीं-11वीं शताब्दी (पाल काल) के अनुक्रमों की प्राप्ति हुई। उत्खनन में दूसरी शताब्दी ई.पू. में शुंग काल के दौरान निर्मित रक्षात्मक दीवार के अलावा प्राचीन मंदिर के अवशेा, मानव तथा पशु टेराकोटा, आकृतियां, तांबे के सिक्के, साधारण मृदभाण्ड एवं अन्य वस्तुएं प्राप्त हुई हैं। बिहार का सबसे बड़ा ऐतिहासिक स्थल है। इससे छोटे ऐतिहासिक स्थल वैशाली और विक्रमशिला को भारत सरकार ने पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया है, लेकिन बलिराजगढ़ जो पौराणिक कथाओं को चरित्रार्थ करता है का समुचित विकास नहीं हुआ है।

मैं चाहूंगा कि इस दुर्लभ पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्ता के धरोहर बलिराजगढ़ को राट्रीय पर्यटक स्थल के रूप में ि वकसित करने हेतु भारत सरकार एक विभागीय उच्चस्तरीय टीम भेजकर शीघ्रातिशीघ्र इस राट्रीय एवं ऐतिहासिक धरोहर की रक्षा हेतु प्रोजैक्ट तैयार करने की दिशा में आवश्यक सकारात्मक कदम उठाये।